

समुद्री प्रदूषण [Marine Pollution]

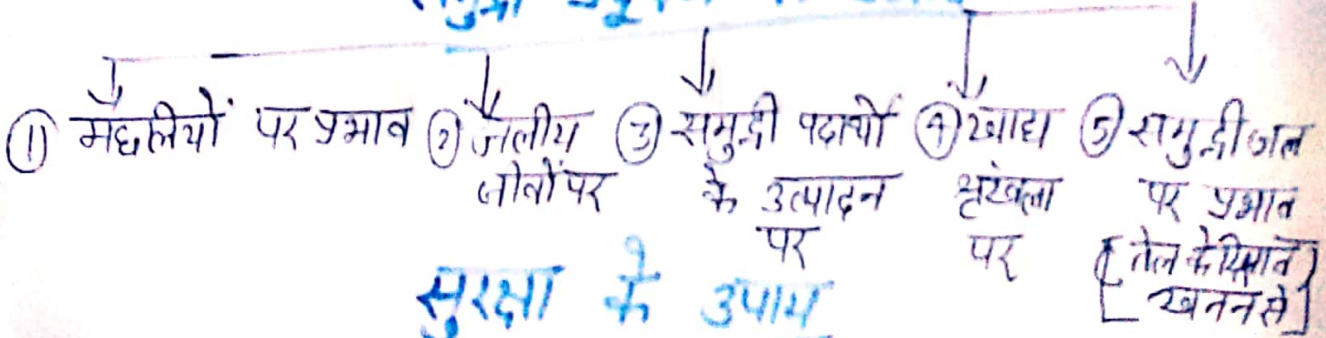
समुद्र एक स्वतंत्र पारिस्थितिक तंत्र है, जिसमें उत्पादन, उपभोग, इत्यादि सभी पाए जाते हैं। इनको बनाए रखना आवश्यक है, यदि इसमें संतुलन नहीं होगा, तो यह पारिस्थितिक तंत्र नष्ट हो जाएगा, जिसका प्रभाव सभी जलीय जीवों पर पड़ेगा।

समुद्री प्रदूषण के कारण

वर्तमान में समुद्र के पारिस्थितिक तंत्र में मानवीय क्रियाकलापों के फलस्वरूप असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हो रही है। और उस असंतुलन से ही 'समुद्री प्रदूषण' की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके निम्नलिखित कारण हैं।

- 1- औद्योगिकीकरण
- 2 समुद्री किनारों पर लोगों का निवास (होना) करना।
- 3 समुद्र से तेल का लेना/ले जाना
- 4 यातायात तथा पर्यटन द्वारा
- 5 आयात व निर्यात के कारण।
- 6 जलीय जीवों की नुकसान
- 7 युद्ध के परिणामों के कारण।

समुद्री प्रदूषण के प्रभाव



सुरक्षा के उपाय

इस प्रदूषण प्रक्रिया को रोकना नहीं जा सकता। भारत सरकार ने इसे 'अति विशिष्ट क्षेत्र' घोषित किया है। व्यवस्थित क्रियाकलापों द्वारा इस प्रदूषण से समुद्र को बचाया जा सकता है। यह B.R.C. Deoband Pro - Sapna Tyagi